EDII

Rajasthan Patrika

September 7 2022
Page No. 2

जीवन हो या व्यापार अनुशासन काफी महत्वपूर्ण : डॉ. व्यास

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) के कुलपति पद्मश्री डॉ. जे.एम.व्यास ने कहा कि व्यापार हो या जीवन, प्रत्येक स्थिति में परिणाम की प्रक्रिया में अनुशासन काफी अहम है। एक उद्यमी के रूप में हमें हमारे तय किए गए लक्ष्य और चुने गए विकल्पों का अच्छे से मूल्यांकन करना चाहिए। उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें शत प्रतिशत क्षमता के साथ काम करना चाहिए, इसके बाद चाहे परिणाम जो भी आए। डॉ.व्यास मंगलवार को

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) में आयोजित डॉ.वी.जी.पटेल चतुर्थ स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। 'उद्यमियों के लिए सफलता कैसे निर्धारित करें' विषय पर डॉ.व्यास ने कहा कि खुशी और सफलता हमारी मानसिक स्थिति है। चाहे कैसी भी परिस्थिति या संयोग हो, यदि हम मन को संबंधित उद्देश्य के अनुरूप समझाते हुए व्यवहारिकता के साथ काम करना सीखेंगे तो संघर्ष या विफलता की स्थिति में भी मन उसी के अनुरूप काम करेगा, जिससे उसके परिणाम का व्यक्ति की मानसिक स्थिरता या खुशी पर कोई असर नहीं होगा। ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ला ने ईडीआईआई के संस्थापक डॉ.वी.जी.पटेल के कार्यों को याद करते हुए कहा कि उद्यमिता ही देश का भविष्य है।

उद्यमियों की उत्कृष्टता को प्रोत्साहन जरूरी

डॉ. शुक्ला ने कहा कि उद्यमियों के जुनून और उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देने की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर है। संस्थाएं और समाज के अग्रणी उद्यमियों की आकांक्षाओं को उड़ान भरने का हौंसला दे सकते हैं। समारोह में डॉ.जे.एम.व्यास ने ईडीआईआई की स्थापना के 40वें साल में संस्थान का नया लोगो भी जारी किया। संस्थान अपने 40वें साल में कई कार्यक्रम आयोजित करेगा। संस्थान के महानिदेशक डॉ.शुक्ला ने वर्ष 2022 के डॉ.वी.जी.पटेल मेमोरियल अवार्ड भी घोषित किए। यह अवार्ड एन्यरप्रिन्योर ट्रेनर, एजूकेटर, मेंटर श्रेणी में घोषित किए गए।